यह तो प्रेम की बातें है ऊधो,
बंदगी हमरे बस की नहीं है
यहां सर के होते हैं सौदे,
आशिकी इतनी सस्ती नहीं है

1- प्रेम वालों ने कब वक्त पूछा,
ये तो नवधा से न्यारी है भक्ति
यहां दम बदम होती है पूजा,
सिर झुकाने की फुर्सत नहीं है
2-जो प्रेम की मस्ती में डूबे,
उन्हें परवाह है क्या जिंदगी की
जो चढ़ के उतरती है मस्ती,
वो मस्ती वो मस्ती नहीं है
3- जिनके हिरदे में है प्राण प्यारे,
वो तो रहते हैं जग से न्यारे
जिनकी नजरों में श्यामा श्याम समाया,
वो नजर फिर तरसती नहीं है

Nijanand App